राजपुरा दरीबा के सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हिन्दुस्तान जिंक

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। राजपुरा दरीबा क्षेत्र में ग्रामीण विकास में हिन्दुस्तान जिंक की सामुदायिक विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, इस क्षेत्र में संचालित परियोजनाएं यहां के युवाओं, महिलाओं और बच्चों के साथ साथ किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। हिन्दुस्तान जिंक का राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स सस्टेनेबल खनन और नवाचार का ही प्रमाण नही है, बल्कि आसपास के गांवों के लिए आशा की किरण भी है। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और कौशल विकास के लिए सामुदायिक विकास पहलों के माध्यम से, कंपनी ने स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता और विकास में उगेखनीय सुधार किया है। ग्रामीण युवाओं के लिए संचालित जिंक कौशल केन्द्र पहल ने राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स के पास 2200 से अधिक युवा छात्रों और स्थानीय निवासियों को प्रशिक्षित कर उन्हें उद्योग-संबंधित कौशल विकास से

राजसमंद। शिवपुरा गांव में हिन्दुस्तान जिंक द्वारा बनाया गया मुक्ति धाम बैठक स्थल।

जोड़कर उनके रोजगार के मार्ग को प्रशस्त किया हैं। इनमें से आज अधिकतर युवा बैंकिंग, सुरक्षा, बिक्री, स्वास्थ्य, विनिर्माण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जो स्थायी आजीविका के माध्यम से अपने परिवारों का संबल बने हुए हैं। राजपुरा दरीबा में आस-पास के गांवों की 3 हजार से अधिक महिलाओं ने उद्यमिता के माध्यम से वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त की है। 2025 तक जिले में 626 नंद घर स्थापित करने की योजना के साथ कंपनी 11000 से अधिक वंचित ब%चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पोषण सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिंक ने आसपास के 11 राजकीय विद्यालयों को महत्वपूर्ण संसाधन उपलब्ध कराए हैं, जिससे ब%चों के लिए बेहतर शिक्षा का वातावरण सुनिश्चित हुआ है। किसानों के लिए समाधान परियोजना में कृषि प्रणाली और पशुधन विकास के माध्यम से किसानों को स्थायी आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य हिन्दुस्तान जिंक द्वारा संचालित की जा रही है। इस परियोजना के तहत दरीबा क्षेत्र में किसानों को बीज वितरण, फल और सब्जी वाडी विकास, बीज उपचार, पशुधन विकास आदि गतिविधियों के माध्यम से सहायता प्रदान की गई है। सामुदायिक भवन के निर्माण, सामाजिक समाहरों और कार्यक्रमों के लिए केंद्र के रूप में आसान आवागमन में सुधार के लिए सड़कें और बस स्टैंड बनाए हैं। साथ ही युवाओं की भागीदारी और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए खेल के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया है। सरकारी स्वास्थय केंद्रों की मरम्मत कर बेहतर सुविधाजनक बनाया है जिससे आसपास के लोग लाभान्वित हो रहे है। रेलमगरा में हिन्दुस्तान जिंक द्वारा निर्मित अत्याधुनिक बस स्टैंड सबसे व्यस्त परिवहन केंद्र में से एक है जिससे दैनिक आधार पर लगभग 700 से अधिक यात्री इसका उपयोग करते है।